

# Chhindwara University, Chhindwara (M.P.)

SYLLABUS OF M.A./M.Sc./M./Com./MHSc. III SEMESTER SYSTEM

SEMESTER - III (Session- 2020-2020)

Syllabus opted by the board of studies in Sanskrit Chhindwara University in the meeting held on

Semester	Course	Title of paper	Max. Marks Theory	Max. Marks CCE	Max. Marks Practical	Minimum Passing Marks Theory	Minimum Passing Marks CCE	Minimum Passing Marks Practical	Total Marks
<u>III</u>	MA	साहित्यशास्त्र P-I	40	10	-	15	04	-	50
<u>III</u>	MA	संस्कृतवाङ्मय एवं आधुनिक विश्व P-II	40	10	-	15	04	-	50
<u>III</u>	MA	महाकाव्य P-III	40	10	-	15	04	-	50
<u>III</u>	MA	नाट्यशास्त्र P-IV	40	10	-	15	04	-	50

## Board of Studies :

I. Chairman – Dr. Usha Bharti UB 04.02.20

II. Subject Expert –

1. Dr. Pragati Dongre - PD

2. Dr. S. W. Manate - SM

3. Dr. S. K. Jhariya - SJK 04/2/20

4.

5.

6.

7.

8.

# छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा

Class/कक्षा	:	M.A.
Semester/सेमेस्टर	:	III
Subject/विषय	:	संस्कृत
Paper	:	I
विषय समूह का शीर्षक	:	साहित्यशास्त्र
<b>Particulars/विवरण</b>		

अधिकतम अंक : 40

साहित्यशास्त्र के आचार्यों का ज्ञान हो। अलंकारों के प्रकार एवं रस दोष का विस्तृत ज्ञान।

इकाई - 1 काव्यालंकार भामह - प्रथम परिच्छेद

इकाई - 2 काव्यमीमांसा (१ से ४ तक) - राजशेखर (२ से ४ अध्याय तक)

इकाई - 3 काव्यप्रकाश - पंचम एवं सप्तम उल्लास से रस दोष

इकाई - 4 काव्यप्रकाश - अष्टम उल्लास

इकाई - 5 काव्य प्रकाश - नवम तथा दशम उल्लास के अधोलिखित

अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण

अनुप्रास, यमक, उपमा (भेद रहित), रूपक, निदर्शना, अपहृति, विभावना,

विशेषोक्ति, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, व्यतिरेक, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति

दीपक।

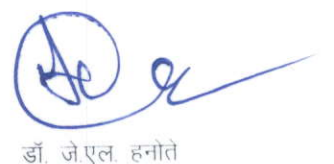
संदर्भ ग्रंथ :-

1. काव्यालंकार - भामह
2. काव्यप्रकाश - मम्मट
3. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय साहित्यशास्त्र - डॉ. गणेश देशपाण्डे

  
डॉ. उषा भारती

  
डॉ. एस.के. झारिया

डॉ. प्रगति डोंगरे

  
डॉ. जे.एल. हनोते

# छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा

Class/कक्षा	:	M.A.
Semester/सेमेस्टर	:	III
Subject/विषय	:	संस्कृत
Paper	:	II
विषय समूह का शीर्षक	:	संस्कृत वाङ्मय एवं आधुनिक विश्व
		<b>Particulars/विवरण</b>

अधिकतम अंक : 40

- कौटिल्य (चाणक्य) की कूटनीति का ज्ञान
- आदिकवि व आदिकाव्य का प्रभाव, प्रासांगिकता
- भारतीय संस्कृति की विशेषताएं
- धर्म के लक्षण, संस्कार का ज्ञान।
- पुराणों का ज्ञान।

इकाई - 1 कौटिल्य अर्थशास्त्र विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण

इकाई - 2 आर्ष काव्य रामायण एवं महाभारत

1. उत्तरवर्ती साहित्य पर प्रभाव
2. आधुनिक युग में प्रासंगिकता
3. मानवीय मूल्य
4. भारतीय संस्कृति

इकाई - 3 मनुस्मृति- मनुस्मृति का परिचय, धर्म का स्वरूप, विवाह के भेद, धर्म लक्षणम् का विवेचन, संस्कार, एवं आश्रम व्यवस्था।

याज्ञवल्क्यस्मृति- याज्ञवल्क्य का परिचय, याज्ञवल्क्यानुसार स्त्री धन से संबंधित विचार, राजा और न्याय परिषद, मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्यस्मृति में अंतर

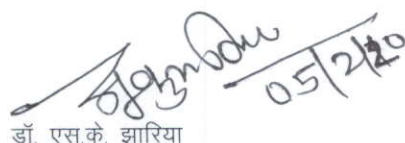
इकाई - 4 नवस्पंदः - परिचय- अप्पाशास्त्री राशिवडेकर, पद्मिता क्षमाराव, जानकीवल्लभ शास्त्री, श्रीनिवासरथ पञ्जरबद्ध शुक्रः, अन्त्यजोद्धारः, नवाकविता, भरतम् ( अनुवाद तथा टिप्पणीयाँ)

इकाई - 5 प्रमुख पुराणों का परिचय


संदर्भ ग्रंथ :-

1. कौटिल्य अर्थशास्त्र - सम्पादक वार्चस्पति गौरोला
2. पुराण विमर्श - बलदेव उपाध्याय
3. महाकवि वाल्मीकि - राधावल्लभ त्रिपाठी
4. संस्कृतवाङ्मय का इतिहास - डॉ. सूर्यकांत
5. मनुस्मृति - महर्षि मनुकृत
6. याज्ञवल्क्यस्मृति - गंगा सागर चौखम्भा सुभारती प्रकाशन वाराणसी
7. उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्भा सुभारती प्रकाशन वाराणसी
8. नवस्पंदः - म0प्र0 हिन्दी ग्रंथ अकादमी म0प्र0 भोपाल।

  
डॉ. उषा भारती

  
डॉ. एस.के. झारिया

डॉ. प्रगति डोंगरे

  
डॉ. जे.एल. हनोते

# छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा

Class/कक्षा	:	M.A.
Semester/सेमेस्टर	:	III
Subject/विषय	:	संस्कृत
Paper	:	III
विषय समूह का शीर्षक	:	महाकाव्य
<b>Particulars/विवरण</b>		

अधिकतम अंक : 40

– महाकाव्यों का परिचय

- इकाई – 1 शिशुपालवध – (प्रथमसर्ग) माघ, दो पद्यों की व्याख्या  
इकाई – 2 शिशुपालवध – पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न  
इकाई – 3 रघुवंश – (पंचम सर्ग) कालिदास, दो पद्यों की व्याख्या  
इकाई – 4 रघुवंश – पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न  
इकाई – 5 महाकाव्य का स्वरूप एवं महाकाव्यों के उद्भव और विकास पर एक प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1. शिशुपालवध – माघ
2. रघुवंश – कालिदास
3. संस्कृत कविदर्शन – डॉ. भोलाशंकर व्यास
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा – आचार्य बलदेव उपाध्याय

  
05/2/20

डॉ. उषा भारती

  
05/2/20

डॉ. एस.के. झारिया

डॉ. प्रगति डोंगरे



डॉ. जे.एल. हनोते

# छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा

Class/कक्षा	:	M.A.
Semester/सेमेस्टर	:	III
Subject/विषय	:	संस्कृत
Paper	:	IV
विषय समूह का शीर्षक	:	नाट्यशास्त्र
		<b>Particulars/विवरण</b>

अधिकतम अंक : 40

- इकाई - 1 प्रमुख नाट्यशास्त्रीय ग्रंथ एवं चिन्तक  
इकाई - 2 नाट्यशास्त्र - भरतमुनि (द्वितीय अध्याय)  
इकाई - 3 नाट्यशास्त्र - भरतमुनि (षष्ठ अध्याय)  
इकाई - 4 दशरूपक - धनंजय प्रथम प्रकाश (संधिभेद छोड़कर)  
इकाई - 5 दशकरूपक - धनंजय द्वितीय प्रकाश (नायक और नायिका के सामान्य भेद)

संदर्भ ग्रंथ :-

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| 1. संस्कृत आलोचना         | - डॉ. बलदेव उपाध्याय   |
| 2. नाट्यशास्त्र           | - भरतमुनि, संपादक - बाबूलाल शुक्ल  |
| 3. नाट्यशास्त्र बृहत्कोश  | - डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी   |
| 4. भारतीय काव्यशास्त्रकोश | - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्   |
| 5. दशरूपक                 | - धनंजय, संपादक - भोलाशंकर व्यास   |
| 6. दशरूपक                 | - धनंजय, संपादक - श्रीनिवास शास्त्री                                       |
| 7. नाट्यशास्त्र           | - भरतमुनि, पारसनाथ, द्विवेदी सम्पूर्णनन्द<br>संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी |

  
05/2/20

डॉ. उषा भारती

  
05/2/20

डॉ. एस.के. झारिया

डॉ. प्रगति डोंगरे



डॉ. जे.एल. हनोते